नहीं रहे ऑस्कर के लिए भेजी गई 'कोर्ट' के अभिनेता वीरा सतिदर, कोरोना पॉजिटिव होने के बाद से वेंटिलेटर पर थे

नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म 'कोर्ट' के एक्टर वीरा सतिदर का निधन हो गया है। वे कोविड से जूझ रहे थे। मंगलवार को उन्होंने नागपुर के एक हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की पुष्टि 'कोर्ट' के डायरेक्टर चैतन्य तम्हाणे ने की। उन्होंने कहा, ''यह सही है। अस्पताल में सुबह 3 बजे के करीब उन्होंने अंतिम सांस ली। वे कोविड-19 से जूझ रहे थे और वेंटिलेटर पर थे। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण खबर है।''

सतिदर को फिल्म 'कोर्ट' से ही पहचान मिली थी। इसमें उन्होंने एक प्रदर्शनकारी सिंगर नारायण कांबले का रोल निभाया था, जिस पर अपने एक लोकगीत के जरिए मैनहोल कार्यकर्ता को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप होता है। फिल्म ने न केवल बेस्ट फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड जीता था, बल्कि यह भारत की ओर से ऑस्कर की बेस्ट फॉरेन फिल्म कैटेगरी के लिए भी भेजी गई थी।

तम्हाणे कहते हैं, ''वे सिर्फ एक्टर नहीं थे। बल्कि एक एक्टिविस्ट और कवि भी थे। इसके साथ ही मैं अब तक जिन लोगों से मिला, उनमें वे सबसे अच्छे इंसानों में से एक थे। मैं अब भी यकीन नहीं कर पा रहा हूं। वे बहुत अच्छे इंसान थे और अब मैं सिर्फ उस वक्त को याद कर सकता हूं, जो मैंने 'कोर्ट' की शूटिंग के दौरान उनके साथ बिताया था।''

'कोर्ट' के अलावा सतिदर ने दो अन्य शॉर्ट फिल्मों में भी काम किया था। इनमें से एक 'क्रॉनिकल्स ऑफ श्री' 2019 रिलीज हुई थी। दूसरी फिल्म 'आधा चांद तुम रख लो' है, जो 2016 में कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए सिलेक्ट हुई थी।

'कंपनी' के 19 साल: किरदार में ढलने के लिए तीन सप्ताह तक झोपड़पट्टी में रहे थे विवेक ओबेरॉय

एक्टर विवेक ओबेरॉय ने 12 अप्रैल को बॉलीवुड में अपने 19 साल पूरे कर लिए हैं। वे अपनी पहली फिल्म 'कंपनी' में गैंगस्टर चंदू के रोल में नजर आए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि किरिदार की तैयारी के लिए वे तीन हफ्ते तक एक झोपड़पट्टी में रहे थे।

उनकी यह फिल्म 12 अप्रैल 2002 को रिलीज हुई थी। विवेक बताते हैं, 'कंपनी मेरे लिए ड्रीम डेब्यू था। उस वक्त यह सबसे अनकन्वेंशनल डेब्यू था और मुझे खुशी है कि राम गोपाल वर्मा ने मुझे यह मौका दिया। फिल्म की तैयारी लिए मैंने एक खोली किराए पर ली थी, 3 हफ्ते तक मैं वहीं रहा ताकी खुद को चंदू नागरे के रूप में ट्रांसफॉर्म कर सकूं। आज 19 साल हो गए और मैं उसमें कुछ भी नहीं बदलना चाहूंगा।'

फिल्म की रिलीज से पहले विवेक को दूसरी फिल्मों का ऑफर आने लगा था

विवेक आगे बताते हैं, 'मुझे फिल्म की रिलीज से पहले की रात याद है। मुंबई में मेरे बड़े-बड़े पोस्टर्स लगे थे। यह मेरी लाइफ का बहुत बड़ा मोमेंट था। मुझे थोड़ी-थोड़ी स्टार वाली फीलिंग आने लगी थी क्योंकि राम गोपाल वर्मा मुझे पहले दिन से ही स्टार की तरह ट्रीट कर रहे थे। जब इंडस्ट्री के कई लोगों ने फिल्म देखी तो मेरे पास कॉल्स आने लगीं। फिल्म के रिलीज से पहले ही मैं दूसरी फिल्में साइन करने लगा था और मुझे इसके लिए काफी पैसे भी मिल रहे थे।'

विवेक जल्द ही हॉरर थ्रिलर फिल्म 'रोजी: द सैफरन चैप्टर' में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए टीवी एक्टर श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का पहला डेब्यू है। विशाल रंजन मिश्रा फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म गुरुग्राम की रोजी नाम की एक महिला के अचानक लापता होने के रीयल इंसीडेंट पर आधारित है।

नहीं रहे पत्रलेखा के पिता अजीत पॉल, एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा- यह दर्द मुझे तोड़ रहा है

अभिनेता राजकुमार राव की गर्लफ्रेंड और 'सिटीलाइट', 'नानू की जानू' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस पत्रलेखा के पिता अजीत पॉल का निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पिता की हार चढ़ी हुई फोटो साझा की और इमोशनल पोस्ट लिखकर उनके निधन की जानकारी फैन्स को दी। हालांकि, उन्होंने इस पोस्ट में पिता के निधन की वजह उजागर नहीं की है।

पत्रलेखा ने लिखा है- मैं गुस्से में हूं। मैं दुखी हूं। मेरे पास शब्द खत्म हो गए हैं। यह दर्द, यह दुख मुझे तोड़ रहा है। आप बिना कुछ कहे चले गए पापा। आई लव यू। हम हमेशा आपका हिस्सा रहेंगे और आप हमेशा हम में जिंदा रहेंगे। आशा है कि मैं आपको गर्व महसूस करा सकती हूं। हमें अदभुत जिंदगी देने के लिए शुक्रिया। हमें बेहतर जिंदगी देने के लिए आपने बहुत कड़ी मेहनत की। आप सबसे अच्छे पिता और सबसे अच्छे पति थे। आपने अपने काम से प्यार किया और इसमें आप सबसे बेहतर थे। आपके सभी दोस्त मुझसे कह रहे हैं कि आप बहुत अच्छे दोस्त, फिलोसोफर और उनके मार्गदर्शक थे। सी यू पापा...आई लव यू।''

पत्रलेखा ने 2014 में रिलीज हुई डायरेक्टर हंसल मेहता की फिल्म 'सिटीलाइट' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट राजकुमार राव नजर आए थे। यहीं से पत्रलेखा और राजकुमार राव का अफेयर शुरू हुआ। एक इंटरव्यू में पत्रलेखा ने बताया था कि उनके पिता उन्हें अकाउंटेंट बनाना चाहते थे। लेकिन एक्टिंग में रुचि होने के चलते वे फिल्मों में आ गईं।

सर्चिंग फॉर शीला: मां आनंद शीला ने कहा- 'ओशो भी मुझसे बहुत प्यार करते थे', करन जौहर ने शेयर किया डॉक्युमेंट्री का ट्रेलर

करन जौहर ने सोमवार को अपनी अपकमिंग डॉक्युमेंट्री 'सर्चिंग फॉर शीला' का ट्रेलर शेयर किया। इसमें मां आनंद शीला खुद 34 साल की अपनी गुमनाम जिंदगी के बारे में बताती नजर आएंगी। करन जौहर ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा है, ''आपने उन्हें देखा है। आपने उन्हें सुना है और जाहिरतौर पर आपने उनके बारे में सुना है। अब वे खुद अपनी कहानी सुनाने आ रही हैं। 'सर्चिंग फॉर शीला' की स्ट्रीमिंग 22 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर होगी।''

ट्रेलर में कई खुलासे कर रहीं शीला

ट्रेलर की शुरूआत में करन जौहर इंडिया में मां आनंद शीला का स्वागत करते दिखाई दे रहे हैं। शीला को उनकी जिंदगी से जुड़े विवादों और जेल में बिताए 39 महीने के बारे में बात करते भी देखा जा सकता है। वे कई बड़े दावे कर रही हैं। मसलन, वे बता रही हैं कि ओशो (रजनीश) भी उनसे प्यार करते थे। जबकि ओशो ने उन्हें हत्यारन बताया था। मां शीला आनंद के साथ करन जहर की बातचीत की झलक भी ट्रेलर में दिखाई दे रही है। सितंबर 2019 में भारत यात्रा पर आईं मां शीला आनंद से करन जौहर ने कई सवाल किए थे।

ओशो के साथ शीला का कनेक्शन

मां आनंद शीला ओशो की शिष्या रही हैं, उनके ओशो मूवमेंट की प्रवक्ता और सेक्रेटरी भी रही हैं। साथ ही वे ओशो की प्रेमिका के तौर पर जानी जाती हैं। ऑरेगन, यूएस में वे ओशो का रजनीशपुरम आश्रम मैनेज करती थीं। ओशो के आरोपों के बाद 1986 में मां आनंद शीला को डल्लास, ऑरेगन में हुए रजनीशी बायो टेरर अटैक (1984) की दोषी ठहराया गया था और उन्हें 20 साल की सजा हुई थी। हालांकि, वे जेल में सिर्फ 39 महीने ही रही थीं।

जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने ओशो आश्रम में रही रहने वाले एक स्विस नागरिक से शादी कर ली थी, जिनका निधन हो चुका है। मां आनंद शीला अब स्विटजरलैंड में रहती हैं और बुजुर्गों की सेवा के इरादे से दो नर्सिंग होम चलाती हैं।

जब परवीन बाबी की वजह से कबीर बेदी पर भड़क उठी थीं पत्नी

कबीर बेदी की बायोग्राफी 'स्टोरीज आई मस्ट टेल: द इमोशनल लाइफ ऑफ द एक्टर' के रिलीज होते ही उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चे शुरू हो गए हैं। कबीर बेदी ने अपनी निजी जिंदगी और लव लाइफ को लेकर कई खुलासे किए। अपने जमाने में वे अभिनेत्री परवीन बाबी के साथ अफेयर में थे। कबीर बेदी ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उन्होंने परवीन बाबी की वजह से पत्नी परवीन दुसांझ को नाम बदलने की सलाह दी थी तो उनकी पत्नी का क्या रिएक्शन था।

नाराज हो गई थीं पत्नी

वेबसाइट बॉलीवुड हंगामा के साथ एक इंटरव्यू में कबीर कहते हैं कि 'मैंने कहा, मेरी जिंदगी में पहले एक परवीन थी। क्या तुम अपना नाम बदलना चाहोगी क्योंकि लोग इससे कन्फ्यूज होंगे।' जाहिर है, उन्होंने गुस्से में प्रतिक्रिया दी ''आपकी हिम्मत कैसे हुई मुझसे मेरा नाम बदलने के लिए कहने की?''

15 साल से पत्नी के साथ रिश्ता

कबीर बेदी आगे कहते हैं कि 'लेकिन समय धीरे धीरे बदला और जब वह भारत आईं तो महसूस किया कि लोगों की याददाश्त में, परवीन (बाबी) मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा थीं। अब मैं उन्हें ''वी'' कहकर बुलाता हूं। परवीन दुसांझ के साथ मेरा सबसे लंबा रिश्ता रहा है। हम पिछले 15 सालों से साथ हैं। हमारी शादी को छह साल हो गए हैं।''

परवीन बाबी से अलगाव पर क्या बोले

बायोग्राफी में कबीर आगे लिखते हैं कि 'तब तक मैं भी मानसिक और भावनात्मक रूप से थक चुका था। बगैर किसी ठहराव के मैं एक भावनाओं से भरी महिला से दूसरी की ओर जा रहा था। कोई मुझे समय नहीं दे रहा था। लोग मेरे बारे में सोचते थे कि 'यह कितना लकी है' जो एक के बाद एक खूबसूरत महिलाओं के साथ है। केवल मैं ही जानता हूं कि एक भावुक आदमी होने की वजह से मैंने जो कीमत चुकाई है।'

लॉफिंग ज़ोन

दो दोस्त अफ्रीका के एक जंगल में से गुजर रहे थे कि सामने से नीग्रो आ जाते हैं। एक दोस्त जल्दी से वृक्ष पर चढ़ जाता है। नीग्रो का सरदार अपने अदामियों से कहता है, हम रोज लेटे हुए को ही मारते हैं, मेरा ख्याल है आज वृक्ष पर चढ़े हुए की मुरम्मत की जाए।

बेचारे को लगातार तीसरे दिन भी मार खानी पड़ी।

डाक्टर एक स्त्री का चैकअप करने लगा तो वह बोली, ''डाक्टर साहिब, आप नर्स को भी अंदर बुला लें।''

डाक्टर, ''क्यों क्या आपको मुझ पर विश्वास नहीं है?''

स्त्री, ''आप पर तो है परन्तु अपने पति पर नहीं जो बाहर नर्स के पास बैठे हैं।''

□ □ □

एक गायक के बारे में स्टेज से घोषणा की गई कि इस गायक के गले में इतना दर्द है कि आप इसका गाया गीत बहुत पसन्द करेंगे।

गायक जब गीत गाकर स्टेज से उतरा तो एक देसी हकीम उसके पास आकर बोला, ''बेटा यह मेरी गोलियों की शीशी ले लो, इससे तुम्हारे गले का दर्द हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा।''

स...स...सन्नाटेदार

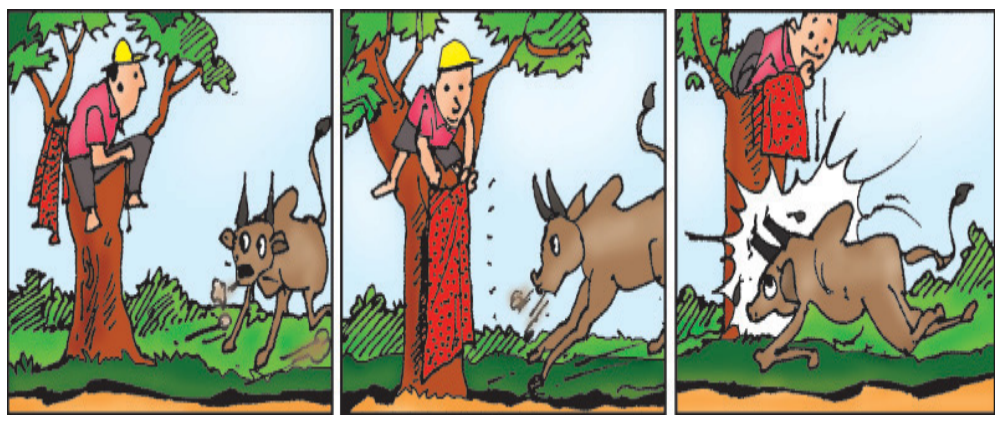

सूडोकु नवताल- 4452

★★★★★ कठिनतम

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -4451 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

काकुरो पहेली - 4452

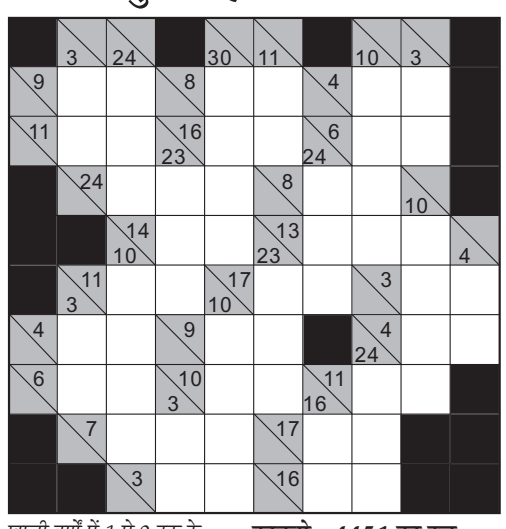

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+ 8 + 9 = 23
7+ 8 + 9 = 24
1 +2+ 3 + 4+5 = 15
1 +2+ 3 + 4+6 = 16

काकुरो - 4451 का हल

MANGAL SENCHA,P.B.NO.3909, BANGALORE-39

अष्टयोग-4452

5	1		4	2		7
	31		28		30	1
		7	3		2	
4	33		29	1	31	6
3		1		5		
	34	6	35		40	3
2	3		1	6	7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4451 का हल

5	7	2	4	1	6	3
2	23	1	26	6	40	6
1	2	3	4	5	6	7
4	32	4	32	4	32	4
7	6	5	4	3	2	1
6	47	7	35	7	26	2
3	7	6	1	2	4	5

शब्द पहेली - 4452

बाएँ से दाएँ

1. घर, गृह-3
3. यथा, क्षमता-4
6. आनंदशील, मस्त, सदानंद-3
7. शुद्ध, पवित्र-2
8. हाथ, हस्त, टैक्स-2
10. चमक वाला, कांतियुक्त-5
12. सर्वदा, हमेशा-3
15. पिता, आविस्कारक-3
17. एक ही समय का, तत्कालीन-5
20. रंगबिरंगा शीशा, शीशे व सोने-चांदी पर बनाया जाने वाला रंगीन काम-2
22. एक नेत्र रोग, जाली-2
23. रमने वाली स्त्री-3
24. अप्रसन्नता, रूष्टि-4
25. विश्वास, भरोसा-3

ऊपर से नीचे

2. नमक रखने का पात्र-5
3. धीमी व अस्पषट ध्वनि, उड़ती खबर-3
4. प्रलय, आफत, हंगामा (ऊर्दू-4)
5. त्वचा का कांटे, नाखून आदि से छिल जाना, खराश-3
7. साफ, सुथरा-2
9. स्वाद, आंनद-2
11. बारीक-3
13. सूत कातने का एक यंत्र-3
14. एक ही जाति के-5
15. अवतरित होना, पैदा होना-2,2
16. अल्पता, कम होना-2
18. समय, वक्त-2
19. सहायता दाता, मददगार, साथी-(ऊर्दू-3)
21. मनुष्य योनि के रूप में जन्म लेकर जीने वाला-3

शब्द पहेली -4451 का हल

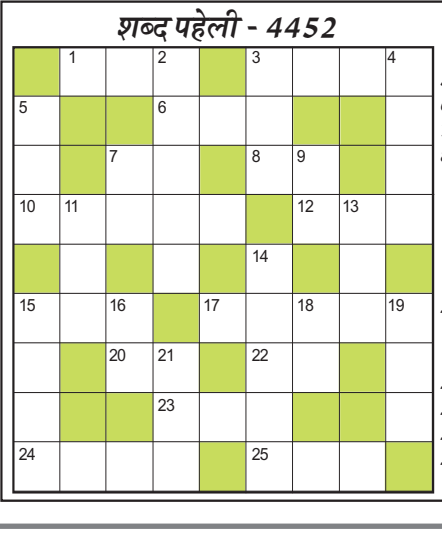

	भ	न	क		जा	य	ज	
क	ला		ला		पा		ल	त
ल		आ	म	द	नी			र
ह	रा	म		र		घा	य	ल
		रा	ज		पा	स		
अ	ज	य		म		भू	मि	का
भा			म	द	र	सा		य
व	न		ना		ती		श	र
	ट	ल	ना		श	री	क	

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

शब्दजाल - 4452

सा	द	गा	वि	ग	म	हे	श	भू	प	ति
दें	नि	ल	क	श्व	दों	अं	जु	जॉ	र्ज	ड़
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	ख	क
ध	न	रा	ज	पि	ल्लै	थ	र	ल	श	गो
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ग	झ	पी
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	द्दा	नं	घ	चं
ज	दा	ल	चुं	सं	चुं	म	र	कौ	द	द
क	ही	ग	र	मे	ग	क	फ	या	श	फु
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले
क	र	ल	खा	व	टि	ना	चि	ओ	प	ला
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या

शब्द जाल में 10 खिलाड़ियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर एवं तिरछे भी हैं.

सानिया, अंजु जॉर्ज, धनराज पिल्लै, सचिन, बाइचुंग भूटिया, गोपीचंद फुलेला, विश्वनाथ आनंद, श्रीनाथ, जहीर खान, महेश भूपति.

शब्दजाल - 4451 का हल

त	स	आ	त्म	ली	न	षा	गु	बा	प	दे
क	अ	अ	त्म	त	अ	ला	र	न	द	जू
आ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न
व	अ	र्य	त	अ	ला	ष्ठा	न	श	म	क
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	च	व	त
वा	अ	सौ	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ
ह	आ	मो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र
र	दी	ब्ब	फा	प	स	श	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र

मंगल सैणचा, बेंगलोर.

फिल्म वर्ग पहेली- 4452

बायें से दायें:-

1. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-4
3. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-2,1,2
6. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2
7. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-2
8. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-2
9. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-4
10. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-3
11. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-4
13. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-3
15. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
16. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-2
17. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-2
18. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-4
20. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-3
23. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-2
24. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-2,2
25. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-3
26. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-2,4,1,3
2. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-2
3. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
4. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-3
5. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-2,2
6. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-3
8. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-3
9. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-3
11. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-3
12. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-3
19. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-4
21. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-3
22. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 44451 का हल

म	र्या	दा		ब	व	ड	र		औ
हा		दी	वा	ना		र	ख	वा	ला
न	ई	माँ		र	क्त		वा		द
	श्व		द	स		पा	ले	खाँ	
स	र	ग	म		खा	की			ध
ड़		द		श		जा	न	व	र
क	श्मी	र	की	क	ली		क्षा		ती
			म		ला	खा		ना	
इ	जा	ज	त			मो	ह	रा	
श्क		ख्मी		त	ला	शी		ज	ख्म

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर